* वेगनर जर्मनी के जलवायु वैज्ञानिक थे। वेगनर विश्व की जलवायु की व्याख्या करना चाहते थे। वेगनर के अनुसार ठण्डे जलवायु प्रदेश की सबसे बड़ी विशेषता ग्लेशियर की उपस्थिति है तथा गर्म जलवायु प्रदेश की सबसे बड़ी विशेषता कोयले की उपस्थिति है।

प्रतिपादन → अल्फ्रेड वेगनर
↓
जर्मन भूगोलवेत्ता
↓
1 Nov 1880 - Nov - 1930
↓
Book - The Origin of Continents & Oceans

* किन्तु ठण्डे जलवायु प्रदेश में कोयले की उपस्थिति तथा गर्म जलवायु प्रदेश में ग्लेशियर की उपस्थिति आश्चर्यजनक था।

नोट - रसिया ठण्डा जलवायु प्रदेश है = कुजनेत्स्क में कोयला तथा साइबेरिया में ग्लेशियर की उपस्थिति
भारत गर्म = हिमालय में ग्लेशियर तथा झारखंड, उड़ीसा में कोयले की उपस्थिति

जलवायु कटिबंधों का स्थानांतरण

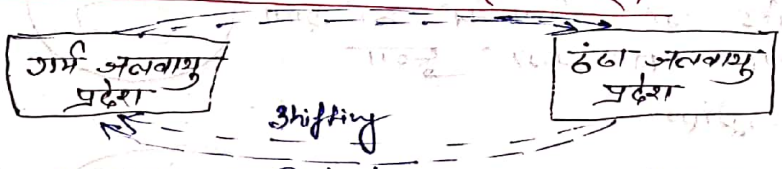

* वेगनर जलवायु कटिबंधों के स्थानांतरण के प्रमाण को ढूंढ पाने में पूरी तरह से असमर्थ रहे।

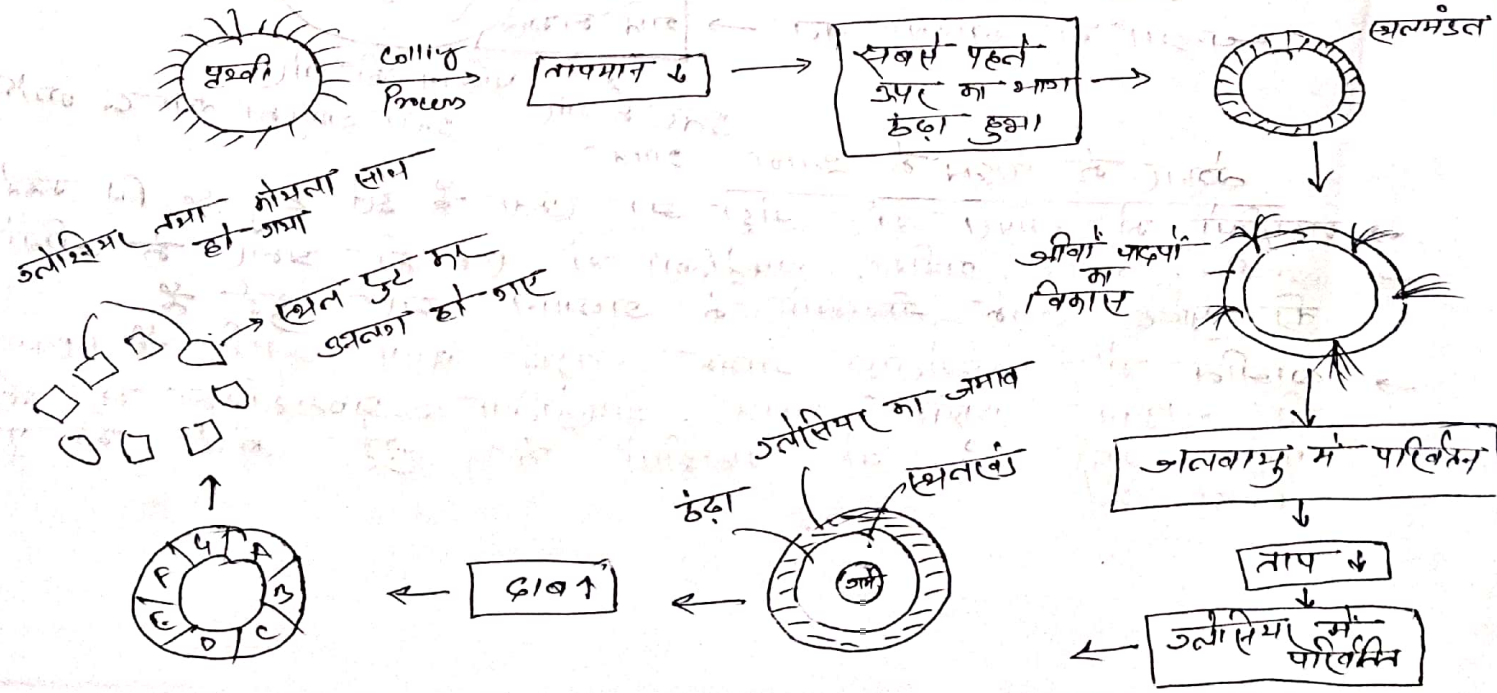

* वेगनर के अनुसार कार्बोनिफेरस युग में सभी महाद्वीप आपस में जुड़े हुए थे, जिसे पेंजिया नाम दिया गया था। इसी के टूटने से महाद्वीपों का जन्म हुआ।

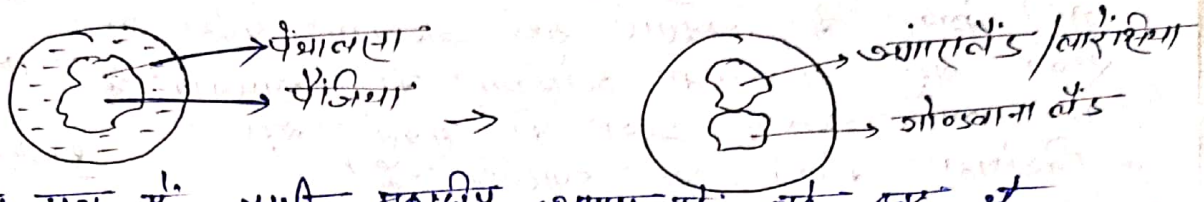

⇒ कार्बोनिफेरस युग में सभी महाद्वीप आपस में जुड़े हुए थे
⇒ ट्राएसिक युग में सर्वप्रथम इनका विभाजन दो भाग में हुआ
⇒ जुरैसिक युग में पुनः यह कई भागों में विभक्त हुए

विभाजन क्यों हुआ

* वेगनर के अनुसार पेंजिया चन्द्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण अंगारालैंड तथा गोन्डवानालैंड में विभाजित हो गया तथा टैथिस सागर का जन्म हुआ

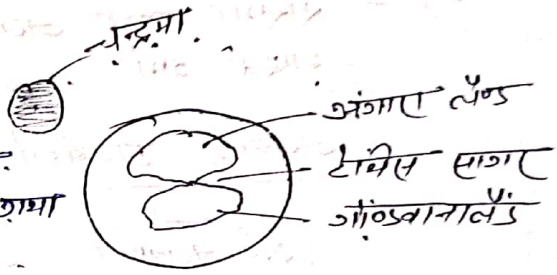

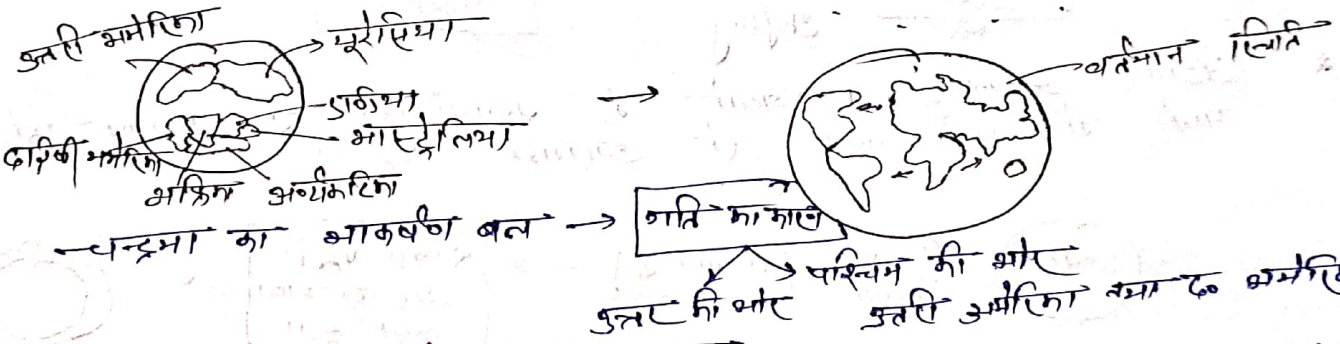

वेगनर के सिद्धांत के प्रमाण

→ महाद्वीपों को आपस में जोड़ा जा सकता है इसे Zig-Saw-Fit कहते हैं
→ ब्राजील, भारत, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया में एक ही प्रकार के जीवों की पुष्टि उनके जीवाश्मों के अध्ययन द्वारा हुई है
→ ब्राजील में ब्राचीलाइट नामक चट्टान पायी जाती है। ऐसा ही चट्टान अफ्रीका, भारत, आस्ट्रेलिया, अण्टार्कटिका में भी पाई जाती है जो महाद्वीपों के जुड़े होने की पुष्टि करता है।

Scanned with CamScanner